

ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

Book Issue Slip

Member No. : 3013

Mobile Number : 9426593189

Receipt No. : A1945

Member Name : मितेश जसवंतलाल शाह

Total Issued : 3665

Address : 43, नवकार फ्लेट, बेरेज रोड, वासणा

Issue Date : 30/11/2023

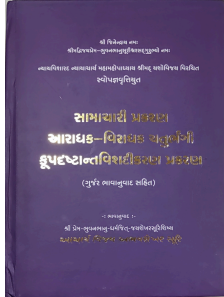
Last Date : 28/02/2024

Sr No.	Vargank No.	Kruti Name
1	AM05370	पांडवचरित्र महाकाव्यम्
2	AB06646	सामाचारी प्रकरण आराधक-विराधक चतुर्भंगी कूपदृष्टान्तविशदीकरण प्रकरण
3	AC11456	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासन भाग - 3 (लघुवृत्ति विवरण) (अध्याय-2 पाद-2) कारक प्रकरण
4	AC10805	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासन भाग - 2 (लघुवृत्ति विवरण) (अध्याय-1 पाद-4, अध्याय-2 पाद-1) नामप्रकरण
5	AC10801	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासन भाग - 1 (लघुवृत्ति विवरण) (अध्याय - 1 - पाद - 1 थी 3) संज्ञाप्रकरण, संधिप्रकरण
6	AC13115	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासन भाग-9 (लघुवृत्ति विवरण) (अध्याय-4 पाद-3,4) (आख्यात प्रकरण)
7	AC13057	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासन भाग-8 (लघुवृत्ति विवरण) (अध्याय-4 पाद-1,2) (आख्यात प्रकरण)
8	AC13056	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासन भाग-7 (लघुवृत्ति विवरण) (अध्याय-3 पाद-3,4) (आख्यात प्रकरण)
9	AC12788	सिद्धहेमचन्द्रशब्दानुशासन भाग-6 (लघुवृत्ति विवरण) (अध्याय-3 पाद-2) (समास प्रकरण)
10	AC12758	गूर्जरेश्वर कुमारपाठ विनिर्मित श्री तारंगातीर्थ

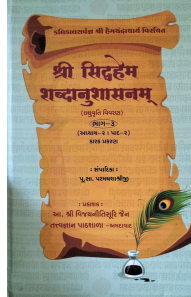
AM05370



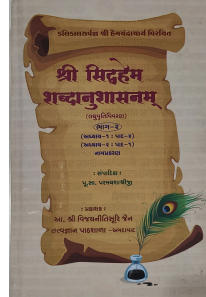
AB06646



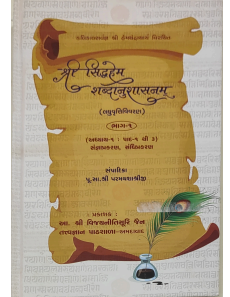
AC11456



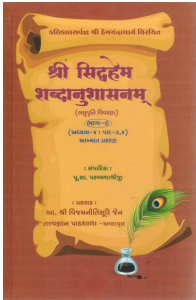
AC10805



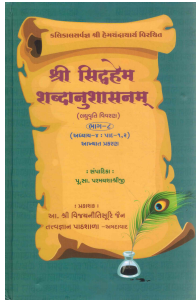
AC10801



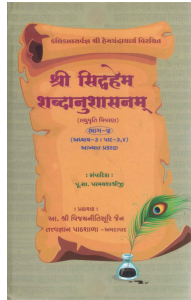
AC13115



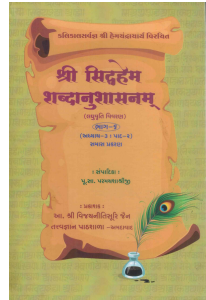
AC13057



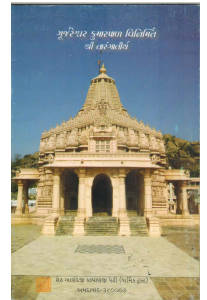
AC13056



AC12788



AC12758



Notes : AM05370, AB06646, AC11456, AC10805, AC10801, AC13115, AC13057, AC13056, AC12788, AC12758 - श्रुततिलक वि.म.सा.

AB - B Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AC - C Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AM - प्रत विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

संस्थाना नियमो :

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामा आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमा परत करवानु रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानु थाय तो 90 दिवस बाद रिन्यु कराववु अनिवार्य छे.
- 3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भखानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता वधु होई शके छे.